हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड - भिवानी

प्रश्नवार विस्तृत अंकन योजना (2023 - 24)

कक्षा - 12 वीं

विषय – भूगोल

प्रश्न पत्र कोड - A

प्रश्न	अंकन योजना (उत्तर के प्रत्येक भाग के महत्व सहित)		कुल अंक
अनुभाग – A वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न			
1	C फ्रेडरिक रेट्ज़ेल।	1	1
2	C ईमानदारी	1	1
3	A 1 जनवरी 1995	1	1
4	A तमिलनाडु	1	1
5	C सिक्किम	1	1
6	D 60%	1	1
7	B, चंडीगढ़	1	1
8	1995	1	1
9	मुंबई	1	1
10	आस-पास के शहरों में सीवरेज उपचार प्रणालियों का विकास	1	1
	अनुभाग- A के कुल अंक		**10**
अनुभाग - B अति लघु उत्तर प्रकार के प्रश्न			
11	**पॉसिबिलिज़्म मानव भूगोल में एक मार्गदर्शक अवधारणा रही है जब से इसने पर्यावरणीय नियतिवाद को विस्थापित किया है। पॉसिबिलिज़्म: अवधारणा यह है कि प्राकृतिक वातावरण मानव गतिविधि पर बाधाएं डालता है, लेकिन मनुष्य प्रौद्योगिकी का उपयोग करके दूसरों को संशोधित करते हुए कुछ पर्यावरणीय सीमाओं के अनुकूल हो सकते हैं।**	**2**	**2**
12	**नव - नियतिवाद: नियतिवाद के लिए नए सिरे से दृष्टिकोण को नव-नियतिवाद कहा जाता है। यह मानव जातियों को पर्यावरणीय कारकों द्वारा निर्धारित एक निष्क्रिय एजेंट के रूप में संदर्भित करता है।**	**2**	**2**
13	**जनसंख्या घनत्व एक विशिष्ट भौगोलिक स्थान में एक प्रजाति के भीतर व्यक्तियों की एकाग्रता है।**	**2**	**2**
14	**जन्म दर एक विशिष्ट समय अवधि के भीतर आबादी में प्रति 1,000 लोगों पर जीवित जन्मों की संख्या है, जो आमतौर पर सालाना व्यक्त की जाती है। यह एक प्रमुख जनसांख्यिकीय संकेतक है।**	**2**	**2**
15	**सतत विकास एक समग्र दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों से समझौता किए बिना वर्तमान जरूरतों को पूरा करना है। यह आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय पहलुओं को एकीकृत करता है, स्थायी कल्याण के लिए संतुलन और लचीलापन को बढ़ावा देता है।**	**2**	**2**

	अथवा		
	परमाणु ऊर्जा बिजली उत्पन्न करने के लिए परमाणु प्रतिक्रियाओं का उपयोग है।	1	
	भारत में, दो प्रमुख परमाणु ऊर्जा स्टेशन गुजरात में काकरापार परमाणु ऊर्जा स्टेशन और महाराष्ट्र में तारापुर परमाणु ऊर्जा स्टेशन हैं।	1	
16	भारत के पूर्वी तट पर चार प्रमुख बंदरगाह हैं: कोलकाता पोर्ट (पश्चिम बंगाल) पारादीप पोर्ट (ओडिशा)	1	2
	विशाखापत्तनम बंदरगाह (आंध्र प्रदेश) चेन्नई पोर्ट (तमिलनाडु)	1	
	अथवा		
	पाइपलाइन परिवहन लागत दक्षता, विश्वसनीयता और पर्यावरणीय लाभ प्रदान करता है। यह ऊर्जा की खपत को कम करता है, प्रदूषण को कम करता है, और न्यूनतम हस्तक्षेप के साथ माल के निरंतर प्रवाह को सुनिश्चित करता है, जिससे यह तरल पदार्थ और गैसों के लिए कुशल हो जाता है।	2	
अनुभाग- B के कुल अंक			12
अनुभाग - C लघु उत्तरीय प्रकार के प्रश्न			
17	आंतरायिक प्रकृति: ग्रामीण क्षेत्रों में आवधिक बाजार नियमित अंतराल पर होते हैं, अक्सर साप्ताहिक या मासिक, माल और सेवाओं को खरीदने और बेचने के लिए एक चक्रीय अवसर प्रदान करते हैं।	1	3
	अस्थायी संरचनाएं: ये बाजार आमतौर पर अस्थायी संरचनाओं जैसे टेंट या खुली हवा वाले स्थानों के साथ स्थापित किए जाते हैं। बाजार की अवधि के लिए स्टाल और बूथ बनाए जाते हैं और बाद में ध्वस्त कर दिए जाते हैं।	1	
	विविध वस्तुएं और सेवाएं: आवधिक बाजार कृषि उत्पादों, हस्तशिल्प, पशुधन और विभिन्न घरेलू वस्तुओं सहित वस्तुओं और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। उत्पादों की विविधता स्थानीय आर्थिक गतिविधियों और जरूरतों को दर्शाती है।	1	
18	जनसंख्या घनत्व: जनसंख्या घनत्व एक विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र के भीतर प्रति इकाई क्षेत्र में व्यक्तियों की संख्या के माप को संदर्भित करता है, आमतौर पर प्रति वर्ग किलोमीटर या वर्ग मील।	1	3
	जनसंख्या घनत्व भौगोलिक विशेषताओं, आर्थिक अवसरों, सांस्कृतिक वरीयताओं, बुनियादी ढांचे, सरकारी नीतियों और ऐतिहासिक घटनाओं से प्रभावित होता है। उपजाऊ भूमि, नौकरी की उपलब्धता, शहरीकरण, परिवहन, आव्रजन नीतियां, और पिछली घटनाएं आबादी के स्थानिक वितरण में योगदान करती हैं।	2	
19	ग्रामीण बस्तियों को आम तौर पर खुले स्थानों, कृषि-आधारित अर्थव्यवस्थाओं और छोटी आबादी की विशेषता है। इसके विपरीत, शहरी बस्तियां घनी आबादी वाली हैं, जो बुनियादी ढांचे, विविध अर्थव्यवस्थाओं और गैर-कृषि व्यवसायों द्वारा चिह्नित हैं। सामाजिक और	1.5	3

	सांस्कृतिक मतभेद भी मौजूद हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में अक्सर पारंपरिक मूल्यों पर जोर दिया जाता है।		
	जबकि शहरी सेटिंग्स विविधता और आधुनिक जीवन शैली को बढ़ावा देती हैं। सेवाओं और सुविधाओं, जैसे शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच, शहरी वातावरण की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक सीमित होती है।	1.5	
20	भारत तीन मुख्य फसल मौसमों का अनुभव करता है: खरीफ, रबी और ज़ैद। खरीफ में, मानसून के दौरान, चावल, बाजरा और दालें जैसी फसलें शामिल होती हैं।	1	3
	रबी में सर्दियों में गेहूं, जौ और सरसों जैसी फसलें शामिल होती हैं।	1	
	गर्मियों के दौरान ज़ैद एक छोटा मौसम है, जो फलों और सब्जियों जैसी फसलों की खेती करता है।	1	
21	अटल सुरंग, जिसे आधिकारिक तौर पर अटल सुरंग, रोहतांग नाम दिया गया है, भारतीय राज्य हिमाचल प्रदेश में एक राजमार्ग सुरंग है। यह 10,000 फीट से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग है, जो लगभग 9.02 किलोमीटर तक फैली हुई है। 2020 में उद्घाटन किया गया, यह मनाली को लाहौल-स्पीति घाटी से जोड़ता है, जो साल भर पहुंच प्रदान करता है और यात्रा के समय को कम करता है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर बनी यह सुरंग क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण ढांचागत उपलब्धि है।	3	3
	अथवा		
	भारत के विदेश व्यापार में कपड़ा, फार्मास्यूटिकल्स और सॉफ्टवेयर सेवाओं सहित निर्यात में विविधता की विशेषता है। आयात में कच्चे तेल, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक सामान शामिल हैं। उच्च आयात मूल्य के कारण व्यापार संतुलन अक्सर व्यापार घाटा होता है। भारत द्विपक्षीय और बहुपक्षीय दोनों व्यापार समझौतों में संलग्न है। सेवा क्षेत्र, विशेष रूप से आईटी और सॉफ्टवेयर निर्यात, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। विदेश व्यापार नीतियां वैश्विक आर्थिक रुझानों से प्रभावित होती हैं, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना है।	3	
22	नमामि गंगे भारत में एक प्रमुख कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य गंगा नदी की सफाई और कायाकल्प करना है। 2014 में शुरू किया गया, यह सीवेज उपचार, रिवरफ्रंट विकास और सार्वजनिक जागरूकता अभियानों के लिए विभिन्न पहलों को एकीकृत करता है। कार्यक्रम गंगा के सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व को बहाल करने के लिए स्थायी अपशिष्ट जल प्रबंधन और पारिस्थितिक संरक्षण पर जोर देता है। नमामि गंगे एक स्वच्छ और स्वस्थ गंगा बेसिन सुनिश्चित करना चाहता है, जिसमें दीर्घकालिक नदी कायाकल्प के लिए कई हितधारक और अभिनव दृष्टिकोण शामिल हैं।	3	3
	अथवा		
	भारत में शहरी अपशिष्ट निपटान को महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, जिसमें अपर्याप्त अपशिष्ट प्रबंधन बुनियादी ढांचा, स्रोत पर कचरे का अपर्याप्त पृथक्करण और सीमित रीसाइक्लिंग सुविधाएं शामिल हैं। अनुचित निपटान से पर्यावरण प्रदूषण, स्वास्थ्य संबंधी खतरे और लैंडफिल साइटों पर तनाव होता है। तेजी से शहरीकरण	3	

	समस्या को बढ़ाता है, क्योंकि शहर बढ़ते अपशिष्ट उत्पादन के साथ तालमेल रखने के लिए संघर्ष करते हैं। जागरूकता और सामुदायिक भागीदारी की कमी प्रभावी अपशिष्ट प्रबंधन में बाधा डालती है, जो देश में शहरी अपशिष्ट निपटान के जटिल मुद्दे में योगदान देती है।		
अनुभाग- C के कुल अंक			18
अनुभाग - D दीर्घ उत्तर प्रकार के प्रश्न			
23	जलवायु: मध्यम जलवायु अक्सर आरामदायक रहने की स्थिति के कारण बड़ी आबादी को आकर्षित करती है, जबकि चरम जलवायु निपटान को रोक सकती है।	1	5
	स्थलाकृति: समतल और उपजाऊ परिदृश्य निपटान के लिए अनुकूल हैं, जबकि ऊबड़-खाबड़ इलाके जनसंख्या एकाग्रता को सीमित कर सकते हैं।	1	
	जल संसाधन: नदियों और समुद्र तटों जैसे जल निकायों से निकटता, परिवहन, कृषि और व्यापार की सुविधा प्रदान करती है, जनसंख्या वितरण को प्रभावित करती है।	1	
	आर्थिक अवसर: प्रचुर मात्रा में प्राकृतिक संसाधनों, नौकरी के अवसरों और आर्थिक गतिविधियों वाले क्षेत्र बड़ी आबादी को आकर्षित करते हैं।	1	
	बुनियादी ढांचा: अच्छी तरह से विकसित परिवहन और संचार नेटवर्क शहरी केंद्रों में जनसंख्या एकाग्रता में योगदान करते हैं।	1	
	अथवा		
	जनसांख्यिकीय संक्रमण एक मॉडल है जो उच्च जन्म और मृत्यु दर से कम जन्म और मृत्यु दर तक आबादी के ऐतिहासिक बदलाव का वर्णन करता है क्योंकि एक समाज आर्थिक और सामाजिक विकास से गुजरता है। यह आमतौर पर चार चरणों में सामने आता है:	1	
	चरण 1 (उच्च स्थिर): उच्च जन्म और मृत्यु दर की विशेषता, जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतम जनसंख्या वृद्धि होती है। यह चरण सीमित स्वास्थ्य देखभाल और कृषि प्रथाओं के साथ पूर्व-औद्योगिक समाजों की विशेषता है।	1	
	चरण 2 (प्रारंभिक विस्तार): बेहतर स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता और पोषण के कारण मृत्यु दर में गिरावट आती है, जिससे तेजी से जनसंख्या वृद्धि होती है। जन्म दर उच्च बनी हुई है, जिससे जनसांख्यिकीय असंतुलन पैदा होता है।	1	
	चरण 3 (देर से विस्तार): जन्म दर में गिरावट शुरू होती है क्योंकि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन, जिसमें शिक्षा और शहरीकरण में वृद्धि शामिल है, परिवार नियोजन निर्णयों को प्रभावित करते हैं। जनसंख्या वृद्धि धीमी हो जाती है।	1	
	चरण 4 (कम स्थिर): जन्म और मृत्यु दर दोनों कम हैं, जिसके परिणामस्वरूप एक स्थिर आबादी है। यह चरण उच्च जीवन स्तर, शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल के साथ उन्नत औद्योगिक समाजों की विशेषता है।	1	
24	मानव विकास सूचकांक (एचडीआई): एचडीआई एक समग्र आंकड़ा है जिसका उपयोग मानव विकास के तीन बुनियादी आयामों में देश की औसत उपलब्धियों को मापने के लिए किया जाता है: एक लंबा और स्वस्थ जीवन (स्वास्थ्य), ज्ञान (शिक्षा), और एक	1	5

	सभ्य जीवन स्तर (जीवन स्तर)। यह पारंपरिक आर्थिक संकेतकों से परे कल्याण का एक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करता है। .		
	मानव विकास के चार स्तंभ: स्वास्थ्य: यह स्तंभ जन्म के समय जीवन प्रत्याशा पर विचार करता है। लंबी जीवन प्रत्याशा बेहतर स्वास्थ्य परिणामों और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को दर्शाती है, जो मानव विकास के उच्च स्तर का संकेत देती है।	1	
	शिक्षा: शिक्षा का मूल्यांकन दो संकेतकों के माध्यम से किया जाता है: वयस्कों के लिए स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष और स्कूल में प्रवेश करने वाले बच्चों के लिए स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष। शिक्षा व्यक्तिगत सशक्तिकरण और सामाजिक प्रगति में एक महत्वपूर्ण कारक है।	1	
	जीवन स्तर: यह स्तंभ क्रय शक्ति समानता के लिए समायोजित प्रति व्यक्ति आय पर केंद्रित है। यह मानव विकास के आर्थिक आयाम को मापता है, जो एक सभ्य जीवन स्तर के लिए वस्तुओं और सेवाओं तक पहुंचने के लिए व्यक्तियों की क्षमता को दर्शाता है।	1	
	लिंग समानता: जबकि आधिकारिक तौर पर एचडीआई का हिस्सा नहीं है, लिंग से संबंधित विकास सूचकांक (जीडीआई) और लिंग असमानता सूचकांक (जीआईआई) को अक्सर पूरक संकेतक माना जाता है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर के संदर्भ में पुरुषों और महिलाओं के बीच असमानताओं को उजागर करता है। समग्र मानव विकास के लिए लैंगिक समानता महत्वपूर्ण है।	1	
	अथवा		
	कई कारक विश्व स्तर पर उद्योगों के स्थान को प्रभावित करते हैं। ये कारक अक्सर परस्पर जुड़े होते हैं और औद्योगिक गतिविधियों के स्थानिक वितरण में योगदान करते हैं। कुछ प्रमुख विचारों में शामिल हैं: कच्चा माल: कच्चे माल से निकटता एक महत्वपूर्ण कारक है। उद्योग परिवहन लागत को कम करने और स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कच्चे माल के स्रोत के पास स्थित होते हैं। श्रम उपलब्धता: एक कुशल और सस्ती श्रम शक्ति तक पहुंच आवश्यक है। उद्योग अक्सर कुशल कार्यबल वाले स्थानों का चयन करते हैं या जहां श्रम लागत प्रतिस्पर्धी होती है।	1	
	परिवहन बुनियादी ढांचा: सड़कों, बंदरगाहों और रेलवे सहित कुशल परिवहन नेटवर्क, औद्योगिक स्थान को प्रभावित करते हैं। बाजारों तक पहुंच और माल परिवहन की क्षमता आसानी से स्थान निर्णयों को प्रभावित करती है। ऊर्जा उपलब्धता: उद्योग, विशेष रूप से ऊर्जा-गहन, विश्वसनीय और सस्ती ऊर्जा स्रोतों वाले क्षेत्रों की ओर आकर्षित होते हैं। बिजली संयंत्रों या ऊर्जा भंडार से निकटता एक	1	

	महत्वपूर्ण विचार है।		
	बाजार पहुंच: उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन करने वाले उद्योगों के लिए बाजारों से निकटता महत्वपूर्ण है। उपभोक्ताओं तक पहुंच वितरण लागत और समय-से-बाजार को कम करती है। सरकारी नीतियां: सरकारी प्रोत्साहन, कर ब्रेक और नियामक नीतियां महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उद्योग अनुकूल नीतियों, सब्सिडी, या व्यापार के अनुकूल वातावरण वाले स्थानों का पक्ष ले सकते हैं।	1	
	बुनियादी ढांचा: परिवहन के अलावा, जल आपूर्ति, दूरसंचार और अपशिष्ट निपटान जैसे सामान्य बुनियादी ढांचे औद्योगिक स्थान निर्णयों को प्रभावित करते हैं। जलवायु और पर्यावरणीय स्थितियां: कुछ उद्योग जलवायु परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील हैं। उदाहरण के लिए, कुछ विनिर्माण प्रक्रियाओं को विशिष्ट पर्यावरणीय परिस्थितियों की आवश्यकता हो सकती है या जलवायु से संबंधित कारकों से प्रभावित हो सकती है।	1	
	राजनीतिक स्थिरता: राजनीतिक स्थिरता और एक अनुकूल कारोबारी माहौल उद्योगों के लिए आकर्षक हैं। स्थिर राजनीतिक स्थितियां व्यवसायों के लिए जोखिम और अनिश्चितताओं को कम करती हैं। तकनीकी प्रगति: उन्नत प्रौद्योगिकियों और अनुसंधान संस्थानों की उपलब्धता उन उद्योगों को आकर्षित कर सकती है जो नवाचार और प्रौद्योगिकी पर भरोसा करते हैं।	1	
25	स्वतंत्रता के बाद की अवधि में, भारत ने खाद्य सुरक्षा को संबोधित करने, उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आजीविका में सुधार के लिए कृषि विकास के लिए विभिन्न रणनीतियों को लागू किया है। कुछ महत्वपूर्ण रणनीतियों में शामिल हैं: हरित क्रांति (1960 का दशक): सिंचाई और उर्वरक के उपयोग में वृद्धि के साथ-साथ उच्च उपज वाले बीजों की किस्मों को पेश करने से फसल की पैदावार को बढ़ावा देने में मदद मिली, विशेष रूप से गेहूं और चावल में। इस पहल ने खाद्य उत्पादन में काफी वृद्धि की।	1	5
	भूमि सुधार: स्वतंत्रता के बाद, भू-स्वामित्व में असमानताओं को दूर करने के लिए भूमि के पुनर्वितरण के प्रयास किए गए। भूमि सुधार नीतियों का उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना और सामाजिक असमानताओं को कम करना है।	1	
	सामुदायिक विकास कार्यक्रम: सामुदायिक विकास कार्यक्रम (सीडीपी) जैसी पहल ों का उद्देश्य ग्रामीण आबादी के समग्र जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार करना है।	1	
	एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम (IRDP): 1978 में शुरू किया गया, IRDP कृषि, पशुपालन और लघु उद्योगों सहित विभिन्न आय पैदा करने वाली गतिविधियों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी को कम करने पर केंद्रित था।	1	

	राष्ट्रीय कृषि नीति (2000): इस नीति ने उत्पादकता बढ़ाने और पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए टिकाऊ कृषि, फसलों के विविधीकरण, जल-उपयोग दक्षता और कृषि प्रथाओं के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।	**1**	
	अथवा		
	सतत विकास भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरूरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक समग्र दृष्टिकोण है। इसमें दीर्घकालिक कल्याण को बढ़ावा देने और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय आयामों का एकीकरण शामिल है।	**1**	
	नवीकरणीय ऊर्जा अपनाना: सौर, पवन और जल विद्युत जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करना, परिमित जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता को कम करता है, पर्यावरणीय प्रभाव को कम करता है, और टिकाऊ ऊर्जा प्रथाओं को बढ़ावा देता है।	**1**	
	संसाधन दक्षता: रीसाइक्लिंग कार्यक्रमों, स्थायी वानिकी प्रथाओं और जिम्मेदार जल प्रबंधन सहित संसाधन दक्षता बढ़ाने और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के उपायों को लागू करना।	**1**	
	जैव विविधता संरक्षण: पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा और बहाली जैव विविधता को बनाए रखने में मदद करती है। संरक्षण के प्रयास, निवास स्थान की बहाली, और टिकाऊ भूमि-उपयोग प्रथाएं पारिस्थितिकी तंत्र लचीलापन में योगदान करती हैं।	**1**	
	ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: शहरी क्षेत्रों के भीतर हरे स्थानों का विकास, स्थायी शहरी नियोजन को बढ़ावा देना, और पार्कों और हरी छतों जैसे हरे बुनियादी ढांचे में निवेश करना वायु गुणवत्ता में सुधार करता है, Green House प्रभाव को कम करता है, और समग्र शहरी स्थिरता को बढ़ाता है।	**1**	
अनुभाग-D के कुल अंक		**15**	
अनुभाग – E मानचित्र कार्य			
26	मयूरभंज - लौह अयस्क खनन का एक क्षेत्र	**1**	**5**
	अमृतसर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा	**1**	
	कलपक्कम परमाणु ऊर्जा संयंत्र	**1**	
	झरिया कोयला क्षेत्र	**1**	
	डिगबोई तेल क्षेत्र	**1**	
कुल अंक		**60**	